हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 11.4 डिग्री

9 राज स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन, 572 विद्यार्थियों ने लिया भाग

10 हिंदू सम्मेलनों में समाज से एकजुटता दिखाने का आह्वान, पंच परिवर्तनों को व्यवहार में अपनाने पर जोर

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

कुंड। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे के बाद गत 11 जनवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के बहरामपुर निवासी उस्मान खान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गाड़ी को भी कब्जे में लिया गया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत वर्ष 7 नवंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने राजस्थान के ढाणी काकरान निवासी मनीष को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

चोरी का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बावल। कसोला थाना पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को करीब तीन साल बाद गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात के बाद 22 जून 2023 को केस दर्ज किया था। काफी प्रयास करने के बाद भी चोरी के आरोपी का पता नहीं चल सका था। अब पुलिस ने इस मामले में यूपी के खराट निवासी विशाल मौर्य को गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जमानत नहीं मिलने के कारण उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया।

ट्रक पलटने से ट्रक चालक हुआ घायल

डहीना। बुड़ौली नहर के पास एक ट्रक असंतुलित होकर गड्ढों में पलट गया। इस हदसे में ट्रक चालक घायल हो गया। यूपी के आजमगढ़ निवासी अनिल कुमार ट्रक लेकर महेंद्रगढ़ की ओर जा रहा था। सामने से आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में ट्रक असंतुलित हो गया। ट्रक सड़क से उतरकर गड्ढों में जाकर पलट गया। आसपास के लोगों ने चालक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने चालक के बयान पर केस दर्ज करने के बाद दूसरे वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

धोखाधड़ी मामले में एक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने वर्ष 2024 में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर 12 जनवरी 2024 को विभिन्न धाराओं के तहत जालसाजी का केस दर्ज किया था। इस मामले की पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने की थी। एक आरोपी आशिष सिंगला पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का 14 को

रेवाड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि जिला स्थित न्यायिक परिसर में 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा कराया जाएगा। सीजेएम ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा कराना है।

शहर के चार कम्युनिटी सेंटरों पर खर्च किए जा रहे ढाई करोड़

लंबे समय से बदहाल कम्युनिटी सेंटरों की बदल रही सूरत, सेक्टर-4 भवन का अंतिम चरण में कार्य

सेक्टर-4 स्थित कम्युनिटी सेंटर की दशा 41 लाख रुपये से सुधारी जा रही है, वहीं कृष्णा नगर स्थित कम्युनिटी सेंटर की मरम्मत के लिए 66 लाख रुपए, भाड़ावास रोड स्थित आदर्श नगर के कम्युनिटी सेंटर पर 77.83 लाख तथा नयागांव दौलतपुर में स्थित कम्युनिटी सेंटर की मरम्मत पर करीब 61.87 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

चार सेंटरों का पहले ही सम्पन्न हो चुका मरम्मत कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर में एक दशक से बदहाली के शिकार कम्युनिटी सेंटरों की दशा सुधारने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कम्युनिटी सेंटर का कार्य पूरा होने के बाद लोगों को विवाह व दूसरे आयोजनों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। सेक्टर-4 स्थित सामुदायिक भवन की मरम्मत का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। एचएसवीपी ने बदहाल अवस्था में कम्युनिटी सेंटर को नगर परिषद के हवाले किया था, जिसके बाद नगर परिषद की ओर से भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया। इसकी मरम्मत के लिए टेंडर होने के बाद कार्य तेजी से चल रहा है।

इसके अलावा नप की ओर से शहर के तीन सामुदायिक भवनों की मरम्मत के लिए भी बजट जारी किया गया था। शहर के चार कम्युनिटी सेंटरों की मरम्मत पर 2.46 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे है।

रेवाड़ी। सेक्टर-4 स्थित कम्युनिटी सेंटर की तैयार हो रही खिड़कियां। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सेक्टर-3 स्थित कम्युनिटी सेंटर का हुआ सौंदर्यीकरण। फोटो : हरिभूमि

इन कम्युनिटी सेंटरों की हो चुकी मरम्मत

शहर के चार कम्युनिटी सेंटर्स का मरम्मत कार्य पहले ही संपन्न हो चुका है। इनमें सेक्टर-3 के सेंटर पर 21 लाख 59 हजार रुपये खर्च किए गए। इसके अलावा इंदिरा गांधी कॉलोनी में स्थित सेंटर में 12 लाख 50 हजार रुपये का कार्य किया गया। गुर्जरवाड़ा के कम्युनिटी सेंटर में 7.50 लाख और वार्ड नंबर 24 के सेंटर पर 15 लाख रुपये खर्च किए गए। इन कम्युनिटी सेंटरों में शौचालय, कमरे और बैठक हॉल सहित अन्य सुविधाओं का नवीनीकरण किया गया।

रेवाड़ी। सेक्टर-4 स्थित कम्युनिटी सेंटर में चल रहा मरम्मत कार्य।

इन सामुदायिक भवनों का चल रहा कार्य

सेक्टर-4 स्थित कम्युनिटी सेंटर की दशा 41 लाख रुपये से सुधारी जा रही है, वहीं कृष्ण नगर स्थित कम्युनिटी सेंटर की मरम्मत के लिए 66 लाख रुपये, भाड़ावास रोड स्थित आदर्श नगर के कम्युनिटी सेंटर पर 77.83 लाख तथा नयागांव दौलतपुर में स्थित कम्युनिटी सेंटर की मरम्मत पर करीब 61.87 लाख रुपये खर्च किए जा रहे है। इन सेंटर्स की हालत पिछले कई वर्षो से दयनीय बनी हुई थी। अब इनके सुधारीकरण का कार्य चल रहा है। कम्युनिटी सेंटरों की हालत लंबे समय से खराब होने के कारण लोगों को निजी आयोजनों के लिए अधिक रुपये खर्च कर प्राइवेट समारोह स्थल बुक करने पड़ रहे थे। कम्युनिटी सेंटरों की स्थिति बेहतर होने से सुविधा मिलेगी।

उपेक्षा का शिकार था सेक्टर-4 कम्युनिटी सेंटर

सेक्टर-4 में करोड़ों रुपए की लागत से बना कम्युनिटी सेंटर लंबे समय से उपेक्षा का शिकार था। सेंटर के पास रहने वाले लोग इसे पशुओं के आश्रय के रूप में काम ले रहे है। साथ ही गोबर के उपले भी कम्युनिटी सेंटर में ही बनाए जा रहे है। कम्युनिटी सेंटर की चारदिवारी तक पूरी तरह टूट चुकी थी। सेंटर का भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त और खिड़की और दरवाजे टूटकर गिर चुके थे।

गोदाम में लगी आग से लाखों का सामान जलकर राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मॉडल टाउन में रविवार सुबह एक जूते और कपड़ों के गोदाम में आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी। मॉडल टाउन में जूतों और कपड़ों का बड़ा गोदाम बेसमेंट में है। रविवार होने के कारण गोदाम बंद था। सुबह करीब 10 बजे गोदाम से धुआं निकलना शुरू हो गया। आसपास के लोगों ने गोदाम मालिक और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। गोदाम के शीशे तोड़कर आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। मॉडल टाउन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा सामान जलकर राख हो चुका था। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

रेवाड़ी। गोदाम में लगी आग बुझाते फायर ब्रिगेड कर्मी।

आसपास के एरिया में हड़कंप

गोदाम में आग लगने की सूचना के बाद आसपास के दुकानदारों और घरों में रहने वाले लोगों में भी हड़कंप मच गया। लोगों को इस बात की आशंका बनी रही कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, तो उससे उन्हें भी नुकसान हो सकता है। आग पर काबू पाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने के नाम पर ठगी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष गांव श्याम नगर निवासी एक व्यक्ति से ओटीपी पूछकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर खाते से 1 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 6 जुलाई को गांव श्याम नगर निवासी मिन्नू कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसका खाता कोटक महिंद्रा बैंक में है। 1 जुलाई 2025 को वह अपने काम में व्यस्त था। इसी दौरान उसके पास एक नंबर से दो-तीन बार फोन आया। फोन करने वाले ने उससे क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर आए ओटीपी को बताने को कहा। बार-बार फोन आने के कारण उसने ओटीपी बता दिया। इसके बाद उसके खाते पर 202500 रुपये का लोन ले लिया गया। उसके खाते में लोन के 199810 रुपये जमा हुए, जिसमें से 1 लाख रुपये तुरंत दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए गए। फोन पर मैसेज आने के बाद उसने अपने खाते में जमा बाकि राशि तुरंत दूसरे खाते में ट्रांसफर कर ली। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी यूपी के जिला कानपुर के गांव दीपापुर निवासी आयुष तिवारी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी आयुष तिवारी के बैंक खाते में ठगी की रकम 1 लाख रुपये ट्रांसफर हुई थी।

अब मध्यस्थ चढ़ा पुलिस के हत्थे

इस मामले में पुलिस ने यूपी के जिला औरैया के गांव सहायल निवासी जनार्दन दूबे उर्फ आकाश दूबे को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने आयुष तिवारी का बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराने के लिए मध्यस्थ की भूमिका अदा की थी। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस मामले के अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

रीजनल सेंटर में छात्राओं ने मनाया फाग उत्सव

कोसली। कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में संस्कृतिक विभाग से डा. प्रवेश भारद्वाज और डा. अंजलि यादव के संयोजन में फाग उत्सव का आयोजन किया गया। छात्राओं ने फाग गीत गाकर और एक दूसरे को रंग लगाकर त्योहार मनाया। कार्यक्रम में बीएससी फाइनल की अदिति, पूजा, मनीषा, निकिता, तमन्ना, आरती,अंजलि, कीर्ति, भारती व ज्योति ने चुटकलों व नृत्य से सभी का मनोरंजन किया। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने फाग उत्सव और रंगोत्सव के अवसर पर छात्राओं को बधाई दी। यह त्योहार जीवन में खुशियों और रंगों को भरने का संदेश देता हैं और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर डा. अनिल कुमार, प्रदीप कुमार शर्मा, रीनू यादव, अनिता देवी, डा. सोनिया यादव, अंजलि पांचाल, सुनिता यादव, राकेश कुमार, पूजा यादव, नीलम यादव, योगेन्द्र सिंह,अजय पाल,ज्योति, सविता यादव, मधु बाला , अंजू शर्मा,बिन्दु यादव, बीरेन्द्र यादव, सुखबीर यादव, रवीन्द्र, सुशीला,निर्मला, जितेंद्र, कृष्ण कुमार व अशोक सहित अनेक छात्राएं उपस्थित थीं।

धवाना के प्रगतिशील किसान विपिन यादव को मिला मुख्यमंत्री सम्मान

- कार्यकर्ताओं ने विपिन यादव को कृषि क्षेत्र में की गई नई पहल के लिए बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डहीना

गांव धवाना के युवा प्रगतिशील किसान विपिन यादव को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मशरूम की खेती में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सम्मानित किया है। चौ. चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तत्वावधान में 28 फरवरी को लाडवा में आयोजित राज्यस्तरीय कृषि मेले में प्रगतिशील किसान को सम्मान प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज, निदेशक डा. रमेश कुमार व सहनिदेशक डा. कृष्ण यादव सहित क्षेत्र के शिक्षाविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विपिन यादव को कृषि क्षेत्र में की गई नई पहल के लिए बधाई दी है।

रेवाड़ी। किसान विपिन यादव को सम्मानित करते मुख्यमंत्री। फोटो : हरिभूमि

युवक का रास्ता रोककर मारपीट के तीन आरोपी अभिरक्षा में

- पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

रेवाड़ी। कालूवास में युवक के साथ मारपीट करने और बाद में फरसा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन नाबालिगों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी भी कब्जे में ले ली। गांव निवासी कार्तिक ने पुलिस शिकायत में बताया था कि 27 फरवरी की शाम को वह अपने गांव में अपने घर की ओर जा रहा था। रास्ते में एक बोलेरो गाड़ी में सवार 5-6 लड़कों ने उसका रास्ता रोक लिया। उनके पास लाठी-डंडे व अन्य हथियार भी थे। इनमें से एक लड़के को वह जानता है। मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। कार्तिक ने आरोप लगाया की इस दौरान गांव गोकलगढ़ निवासी आदित्य उर्फ माया भी बाइक लेकर आया। वह फरसा हाथ में लिए हुए था। फरसे से उसने उसे मारने का प्रयास किया।

पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करके मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में संलिप्त एक आरोपी गांव गोकलगढ़ निवासी आदित्य उर्फ माया को वारदात के कुछ ही घंटो के अन्दर गिरफ्तार लिया था।

कल से तापमान में फिर वृद्धि होने का अनुमान, ठंड की विदाई के साथ ही गर्मी की शुरूआत होगी

पारा गिरने से नरम पड़े मौसम के तेवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। दिन-रात के तापमान में गिरावट से गर्मी का असर कम हुआ है। सुबह के समय ठंड ने एक बार फिर उपस्थिति दर्ज कराई। तेज हवाएं चलने का सिलसिला शुरू हो गया है, जो गेहूं की फसल के लिए नुकसानदायी साबित हो सकता है। आगामी मंगलावार से तापमान एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो जाएगा, जिससे गर्मी पसीना छुड़ाना शुरू कर देगी। दो दिन से पश्चिमी दिशा से ठंडी हवाएं चलने के कारण रविवार को अधिकतम तापमान 0.7 डिग्री की कमी के साथ 31.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान भी 3.1 डिग्री की गिरावट के साथ 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 28 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवाओं की गति 18 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा रही। तापमान में मामूली गिरावट के बाद सुबह के समय मौसम ठंडा बना रहा। तेज धूप के चलते दोपहर तक गर्मी ने उपस्थिति दर्ज कराना शुरू कर दिया। रात का तापमान अभी सामान्य से कम बना हुआ है, जिस कारण रात के समय लोग चैन की नींद सो रहे हैं। गर्म कपड़ों की अब आवश्यकता नहीं पड़ रही। मौसम विभाग के अनुसार 3 मार्च से दिन और रात के तापमान बढ़ने शुरू हो जाएंगे। हवाओं की गति और बढ़ सकती है। तापमान बढ़ने से मौसम गर्मी की ओर बढ़ता जाएगा। तीन दिन से दिन के समय पंखे चलने शुरू हो गए हैं। ऑफिसों में एसी भी चलने लगे हैं। ठंड की विदाई लगभग हो चुकी है। बारिश की अभी एक सप्ताह तक कोई संभावना नहीं है।

तेज हवाओं का सिलसिला हुआ शुरू

रेवाड़ी। एक खेत में पक रही गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

हवाओं से गेहूं की फसल को खतरा

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इस समय तेज हवाओं और तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल रोग और दीमक की चपेट में आ सकती है। तेज हवाओं के कारण गेहूं की फसल समय से पहले सूखने लगती है। दाना पूरी तरह नहीं पकने के कारण इससे उत्पादन में कमी आती है। किसानों को फसल की नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए, लेकिन तेज हवाओं के चलते सिंचाई से बचना चाहिए। इससे फसल के जमीन पर गिरने की आशंका बनी रहती है।

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नज़र' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्ज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल

का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुढ्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता | सविता गर्ग सावी

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा न इब
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले पै
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता | दलबीर सिंह फूल

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैंरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंच्ची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुरणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली | **प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै**

बुरा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार | फीचर डेस्क

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेद्गार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!'- ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!'

तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुरा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष | फीचर डेस्क

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।"

दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?" दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो।अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।"

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।

तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट के नाम पर पेंशनर्स को बना रहे निशाना

बैंक व सरकारी अधिकारी बनकर ओटीपी और बैंक डिटेल लेकर खातों से उड़ा रहे रकम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के पेंशनर्स और उनके परिजनों को लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सतर्क किया है।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी पेंशनर्स को आसान निशाना समझकर उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से संपर्क करते हैं और लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट न होने पर पेंशन रुकने का डर दिखाकर गोपनीय जानकारी हासिल कर लेते हैं। इस प्रकार की ठगी में अपराधी स्वयं को बैंक कर्मचारी, पेंशन विभाग अधिकारी या सरकारी प्रतिनिधि बताकर कॉल करते हैं। वे कहते हैं कि आपका लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट नहीं हुआ है, जिससे आपकी पेंशन बंद हो सकती है। इसके बाद वे एक लिंक भेजते हैं या ओटीपी, आधार नंबर, बैंक खाता संख्या, एटीएम कार्ड डिटेल आदि साझा करने को कहते हैं। जैसे ही पीड़ित ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी साझा करता है, साइबर ठग उसके खाते से पैसे ट्रांसफर कर लेते हैं या डिजिटल बैंकिंग एक्सेस अपने नियंत्रण में ले लेते हैं।

स्कैम के परिणाम और बचने के उपाय

इस स्कैम के कई मामलों में बुजुर्गों को तब पता चलता है, जब उनके खाते से बड़ी राशि निकल चुकी होती है। यह ठगी न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचाती है, बल्कि मानसिक तनाव और असुरक्षा की भावना भी पैदा करती है। एसपी ने कहा कि कोई भी बैंक या सरकारी विभाग फोन पर ओटीपी या पिन नहीं मांगता। अनजान नंबर से आए लिंक पर क्लिक न करें। लाइफ सर्टिफिकेट केवल अधिकृत पोर्टल या संबंधित बैंक शाखा में जाकर ही अपडेट कराएं। किसी भी प्रकार की गोपनीय जानकारी फोन पर साझा न करें।

फ्रॉड होने पर तुरंत क्या करें

यदि किसी को संदेह हो कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क करें और खाते को सुरक्षित कराएं। किसी भी साइबर ठगी की शिकायत तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके या साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर दर्ज कराएं।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना से हो रहे बेटियों के हाथ पीले: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना और बेटियों की शादी में आर्थिक चिंताओं को कम करना है। डीसी ने बताया कि समाज के सभी वर्गों के जरूरतमंद परिवारों की बेटियों और दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है।

डीसी अभिषेक मीणा।

योजना में अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति/ टपरीवास जाति के लाभार्थियों की बेटियों के विवाह पर 71,000 अनुदान राशि प्रदान की जाती है और पिछड़े वर्ग और सामान्य वर्ग के व्यक्तियों की बेटियों के विवाह पर 41,000 अनुदान राशि दी जाती है।

उन्होंने कहा सभी वर्गों की विधवा/ तलाकशुदा/ निराश्रित /अनाथ एवं निराश्रित बच्चे की शादी के लिए 51,000 अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ-साथ इस योजना के तहत यदि विवाह में दोनों वर-वधू दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51,000 की राशि दी जाएगी। अगर केवल एक वर या वधू दिव्यांग है, तो 41,000 की अनुदान राशि दी जाएगी। खिलाड़ी महिला (कोई भी जाति जिसकी पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष या उससे कम हो) उन्हें 41,000की अनुदान राशि दी जाएगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद 6 माह के भीतर विवाह पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

खबर संक्षेप

पूर्व सरपंच हनुमान सिंह यादव का निधन

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव राजपुरा के 72 वर्षीय पूर्व सरपंच हनुमान सिंह यादव का ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हो गया। वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और प्रगतिशील किसान के रूप में जाने जाते थे। परिजनों के अनुसार वे रात को सामान्य रूप से सोए थे, लेकिन सुबह नहीं उठे। अचानक हुए उनके निधन से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अपने सरपंच कार्यकाल के दौरान हनुमान सिंह यादव ने गांव में अनेक विकास कार्य करवाए।

100 वर्षीय श्योकोरी देवी का निधन

नारनौल। गांव कोथल कलां निवासी श्रीमती श्योकोरी देवी धर्मपत्नी मातादीन का निधन हो गया। वह अपनी आयु का एक शतक पूरा करके स्वस्थ जीवन व्यतीत करती हुई भरापूरा परिवार छोड़कर इस संसार से विदा हो गई। पांचवीं पीढ़ी देखने वाले विरले ही व्यक्ति होते हैं, उनमें से एक श्योकोरी रही हैं। जिन्होंने अपनी पांचवीं पीढ़ी को देखा। इनके चार पुत्र, चार पुत्रियां, आठ पौत्र, आठ पौत्रियां, नौ प्रपौत्र, चार प्रपोत्रियां व एक सरपौत्री हैं। वह एक सामाजिक व धर्मपरायण महिला थी। इनका शांति यज्ञ 8 मार्च रविवार को होना निश्चित हुआ है।

माजरा खुर्द निवासी यादराम का आकस्मिक निधन

महेंद्रगढ़। गांव माजरा खुर्द निवासी एवं जिला मलेरिया कार्यालय रेवाड़ी में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी सुरेश कुमार के पिता यादराम का हृदय गति रुकने की वजह से आकस्मिक निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव माजरा खुर्द में किया गया। वे अपने पीछे तीन पुत्र राजकुमार, अशोक मिस्त्री, सुरेश कुमार, चार पोता, पांच पोती, तीन पड पोता, एक पड पोती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर प्रभु चरणों में विलीन हो गए। पन्नीलाल बैंक मैनेजर, पूर्व सरपंच भीम सिंह, महेंद्र, भागमल, धर्मवीर यूपी पुलिस सेवानिवृत्त, रामनिवास मैनेजर आदि अंतिम यात्रा में शामिल हुए और श्रद्धांजलि दी।

कोसली में तीन दिवसीय फाग खेल उत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रविवार को कौशलगढ़ फाग खेल उत्सव का शुभारंभ मठाधीश बाबा शिवपुरी महाराज व वरिष्ठ भाजपा नेता वीर कुमार यादव ने किया। तीन दिवसीय खेल उत्सव का समापन 3 मार्च को महिलाओं के खेल, कबड्डी और वालीबॉल के फाइनल मुकाबले के साथ होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा नेता वीर कुमार यादव ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, एकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। इस अवसर पर कोसली के सरपंच मा. रामकिशन, एडवोकेट रमेश शर्मा, एडवोकेट रिंकू कोसलिया, एडवोकेट संजय यादव, नठेड़ा के सरपंच मनोज कुमार, जुड्डी के सरपंच अजीत यादव, मास्टर लखन यादव, पूर्व सरपंच एडवोकेट सुदर्शन, एडवोकेट रोहित यादव तथा नरेंद्र पीटीआई सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेवाड़ी। खेल उत्सव में कबड्डी खेलते खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने होली मिलन उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

- कार्यक्रम में एक दूसरे को गले लगाकर दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शैक्षणिक संस्था पब्लिक एजुकेशन बोर्ड के अधीन शहर की चार शिक्षण संस्थानों ने संयुक्त रूप से होली मिलन उत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मनोहारी सांस्कृतिक पेश किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीईबी के प्रधान अशोक सोमाणी ने की। केएलपी कॉलेज, आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज, सतीश पब्लिक बीएड कॉलेज व सतीश पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने लोक नृत्य, हरियाणवी हास्य नाटिका व होली के फाग की प्रस्तुति से कार्यक्रम में समां बांधा। सतीश स्कूल की नन्ही छात्रा गौरवी व जिशा शर्मा ने नृत्य की प्रस्तुति से तालियां बटोरी। इस मौके पर अशोक सोमाणी ने कहा कि त्योहार हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, जो हम सभी को एक सूत्र में भी बांधे रखने का कार्य करते हैं। बोर्ड के सचिव कपिल गोयल ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर बोर्ड के कोषाध्यक्ष अज्जू गोटेवाले, आनंद स्वरूप डाटा, सतेंद्र प्रसाद, बृजलाल गोयल, रिपुदमन गुप्ता, अरविंद गुप्ता, उषा रुस्तगी, अनिल रस्तोगी, नवल गुप्ता, रोशन लाल यादव, जगमोहन गुप्ता, ब्रह्मप्रकाश कनीना, गौरव यादव, जितेंद्र रुस्तगी, कमल कांत गुप्ता, हेमंत गुप्ता, डा. कविता गुप्ता, डा. दलबीर सिंह, डा. चिराग नागपाल, संगीता यादव, तन्वी रुस्तगी व आशीष शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डा. मंजू गर्ग ने किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

पुलिस ने कोसली व भाकली में ग्रामीणों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

- नशा तस्करों की सूचना तुरंत 1933 पर देकर करें सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

पुलिस की ओर से जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। रविवार को पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने गांव कोसली व भाकली का दौरा किया और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। पुलिस ने ग्रामीणों से साइबर अपराधों से भी सतर्क रहने की अपील की। इस मौके पर ट्रैफिक नियमों की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। नशा मुक्ति टीम ने कहा कि कि नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। उन्होंने सभी को नशामुक्त जिला बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से अवगत कराते हुए बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहकर किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। नशा मुक्ति टीम ने कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर सूचना दें।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो: हरिभूमि

अरावली के 27 सैनिक स्कूल परीक्षा में सफल

महेंद्रगढ़। अरावली स्कूल के 27 छात्रों ने अखिल भारतीय सैनिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की। संस्था चेयरमैन अशोक कुमार ने बताया कि अरावली संस्था हर प्रतियोगिता परीक्षा में अच्छा परिणाम देने के लिए प्रयास करती है। यह परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत व शिक्षकों के सही मार्गदर्शन व अभिभावकों के विश्वास का नतीजा है। स्कूल के सीईओ महेश कुमार ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए प्रार्थना सभा में सभी शिक्षकों के साथ सम्मानित किया। मिडिया प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि छात्रों की इस उपलब्धि पर स्कूल व आस-पास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्कूल के सभी अध्यापकों व छात्र-छात्राओं ने नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अग्रसेन चौक पर किया श्रीश्याम का जागरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को मंजू देवी व राजेश तायल निवास स्थान अग्रसेन चौक पर जागरण किया गया। जिसके मुख्य यजमान मंजू देवी तायल व उनका परिवार रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। इस अवसर पर सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य नितिन कौशिक ने यजमान राजेश तायल व रानी तायल से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित करवाई। गौरव म्यूजिकल ग्रुप के सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणेश वंदना के बाद धर्मपाल शर्मा ने खाटू के श्याम जी रखोंगे मेरी लाज, बबलू शर्मा ने की जो केसरी के लाल मेरा छोटा सा यह काम, मास्टर जिगर ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, संजय शर्मा ने कोई प्यार से मेरे श्याम को सजा ले गजब हो जाएगा, नितिन तिवारी ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है आदि भजन सुनाकर वातावरण श्याम में बना दिया। अंत में अनिल लक्खा ने बाबा का खजाना लुटाया।

ये रहे मौजूद

मौके पर नरेश जैन, मनोज वालिया, सुरेश सोनी, विनोद कुमार, ताराचंद तायल, मंजू देवी, पुनीत तायल, डॉ. नेहा तायल, घनश्याम दास मित्तल, मीना मित्तल, मनोज तायल, रामजीलाल मित्तल, रामगोपाल मित्तल, भारत तायल, नरेश तायल, टेकचंद तायल, रमेश तायल, आशीष सैनी, मनीष शर्मा, संतोष, निशा, अंजलि, रजनी मित्तल, रजत तायल, ओमप्रकाश तायल आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विवि में विज्ञान दिवस पर टैगोर स्कूल ने लहराया परचम

महेंद्रगढ़। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में विज्ञान दिवस पर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक प्रतियोगिता में टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिलेभर के अनेक विद्यालयों ने भाग लिया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, वैज्ञानिक सोच और प्रस्तुतीकरण क्षमता का प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा हिमांशी ने विज्ञान के महत्व और उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रभावशाली, तार्किक एवं आत्मविश्वासपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मॉडर्न स्कूल की छात्रा कंचन ने पाया तृतीय स्थान

महेंद्रगढ़। केंवि जाट पाली में गत 27 फरवरी को आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा कंचन पुत्री जितेंद्र कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्पीच प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय के साथ-साथ पूरे पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राव जयराम के छात्रों ने सैनिक स्कूल में मचाई धूम

महेंद्रगढ़। राव जयराम स्कूल के अनेक छात्रों ने देश की प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और शिक्षकों का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। छात्रों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। गौरतलब है कि सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा देशभर में अत्यंत प्रतिस्पर्धी मानी जाती है।

बचाई जान | किडनी बचाकर निकाली 500 ग्राम वजनी पथरी

लैप्रोस्कॉपिक पाइलोलेथोटॉमी से किया जटिल ऑपरेशन

आयुष्मान कार्ड से किया गया मुफ्त ऑपरेशन, सुपर स्पेशलिटी सर्जन्स ने की जटिल सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

किडनी में लगभग 500 ग्राम वजन की पथरी को निकालने के लिए सेक्टर-3 स्थित गंगासहाय मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में रविवार को जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। खास बात यह है कि यह सर्जरी आयुष्मान कार्ड से हुई, जिसमें मरीज का कोई पैसा खर्च नहीं हुआ।

परिजनों को इस बात से बड़ी खुशी हो रही है कि डॉक्टरों ने बिना किडनी निकाले जटिल ऑपरेशन से वजनदार पथरी को बाहर निकाल दिया। इसके लिए मरीज के पेट पर चीरा भी छोटा सा लगाया गया था। पलवल के गुरखर निवासी इलियास खान ने बताया कि उसके बेटे इम्तियाज को डॉक्टरों ने किडनी में पथरी बताई थी। वह पेट दर्द से बुरी तरह परेशान रहता था। इसके बाद इम्तियाज का ऑपरेशन कराने के लिए उसे तावडू के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया था। पथरी निकालने के लिए पेट पर बड़ा चीरा लगा दिया था, परंतु ऑपरेशन करने वाले डॉक्टरों ने पथरी का साइज बड़ा होने के कारण ऑपरेशन से हाथ खड़े कर दिए। वह बेटे को लेकर काफी परेशान चल रहा था। इसके बाद उसने गंगासहाय मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के डा. हेमेश्वर गुप्ता से संपर्क किया। मरीज की रिपोर्ट व हालात देखने के बाद डा. गुप्ता ने उसका ऑपरेशन कराने का निर्णय लिया।

रेवाड़ी। ऑपरेशन के बाद आराम कर रहा इम्तियाज और साथ में उसका पिता तथा ऑपरेशन के बाद निकाली गई आधा किलोग्राम वजन की पथरी। फोटो: हरिभूमि

लैपरोस्कॉपिक पाइलोलेथोटॉमी से ऑपरेशन

डा. हेमेश्वर गुप्ता ने बताया कि बिना किडनी निकाले मरीज का ऑपरेशन करना आसान नहीं था। इसके लिए उन्होंने गुरूग्राम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बुलाई थी। टीम ने लैपरोस्कॉपिक पाइलोलेथोटॉमी पद्धति से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया, ताकि मरीज के पेट को काटा नहीं जाएगा। छोटा सा कट लगाने के बाद लगभग 2 घंटे में सफल सर्जरी को अंजाम दिया गया। आधा किलोग्राम वजन का पत्थर बाहर निकालकर डॉक्टरों ने मरीज को जीवनदान देने का काम किया।

पिता इलियास ने जताया डॉक्टरों का आभार

इम्तियाज के पिता इलियास खान ने बिना किडनी निकाले जटिल ऑपरेशन को अंजाम देने वाले डॉक्टरों की टीम का आभार जताते हुए बताया कि उसे अपने बेटे को लेकर काफी चिंता हो रही थी। पूर्व में कई डॉक्टरों ने उसे बेटे की एक किडनी निकलवाने की सलाह दी थी, जिससे वह परेशान रहता था। इस सफल ऑपरेशन से उसके बेटे को नई जिंदगी दी है। उसका बेटा ऑपरेशन के बाद पूरी तरह स्वस्थ है।

राज स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन, 572 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता

राज इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को प्री-नर्सरी से कक्षा चौथी तक के विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप परीक्षा रंगीला बचपन द टैलेंट शो का आयोजन किया गया, जिसमें 572 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी बौद्धिक, रचनात्मक एवं व्यवहारिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल विषयगत जानकारी का मूल्यांकन करना नहीं, बल्कि उनकी समझ, तार्किक क्षमता, संप्रेषण कौशल, रचनात्मक सोच एवं गतिविधि आधारित अधिगम क्षमता को पहचानना था।

विद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के आधार पर 100 प्रतिशत तक शैक्षणिक स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। विद्यालय के निदेशक नवीन सैनी ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधि आधारित परीक्षाएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करने के साथ-साथ उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के लिए तैयार करती हैं। निदेशक जितेंद्र सैनी ने कहा कि स्कूल में शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। स्कॉलरशिप परीक्षा जैसे प्रयास विद्यार्थियों में शैक्षणिक उत्कृष्टता की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक भूमिका निभाते हैं।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर की चर्चा

समाज से एकजुटता दिखाने का आह्वान, पंच परिवर्तनों को व्यवहार में अपनाने पर जोर

रेवाड़ी। हिंदू सम्मेलन में मौजूद महिलाएं, सम्मेलन में कार्यक्रम पेश करते हुए बच्चे तथा अपने विचार रखते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

- **सम्मेलनों में हिंदू एकता को मजबूत करने पर दिया जोर**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में रविवार को आठ स्थानों पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया। अंबेडकर बस्ती स्थित गोमती स्कूल में आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता प्रदीप जिला प्रचारक, सविता, संत गिरी महाराज एवं भगत सिंह बस्ती हरीनगर में वक्ता राधा कृष्ण व प्रीति थे, जबकि सामुदायिक भवन गोकलगढ़ में वक्ता बलराज, संगीता शर्मा, संत धीरज गिरी, प्रकाश वाटिका विजयनगर में वक्ता दुष्यंत कुमार, दामिनी, कमलेश ब्रह्माकुमारी, गुरु गोविंद सिंह बस्ती में वक्ता प्रशांत, नरेंद्र संत डा. सत्यपाल, सरस्वती स्कूल भाड़ावास रोड में वक्ता अजय मित्तल, सावित्री व संत बिजेंद्र पुरी, मक्खन लाल की धर्मशाला में वक्ता जोगिंद्र, श्रुति शर्मा, संत महावीर दास तथा अग्रसेन स्कूल में आयोजित हिंदू सम्मेलन में वक्ता संजय राणा, पूनम पूनिया और संत कृष्णानंद थे। सम्मेलनों में हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। सम्मेलनों में हिंदू एकता को मजबूत करने पर जोर दिया गया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में आरएसएस की उपलब्धियों और समाज में लाए गए पांच प्रमुख परिवर्तनों पर प्रकाश डाला गया।

आरएसएस ने 100 वर्षों में सेवा के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रेरित किया

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक चुनौतियों का सामना करना चाहिए

वक्ताओं ने कहा कि हिंदू समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक चुनौतियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने कहाकि आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रेरित किया है। सम्मेलन इसी यात्रा का एक हिस्सा है, जो हिंदू समाज को एकजुट करने का संदेश देता है। वक्ताओं ने हिंदू संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन पर प्रकाश डालते हुए सभी को शक्ति को संगठित करते हुए सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ भारत वर्ष को परम वैभव पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तनों को व्यवहार में अपनाकर समाज आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बन सकता है।

सम्मेलन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई

वर्तमान चुनौतियों पर की चर्चा

सम्मेलनों में कलश यात्रा, ध्वज यात्रा, बाइक रैली, भजन कीर्तन व हिंदू धर्म पर आधारित सांस्कृतिक कार्यकम आयोजित किए गए। वक्ताओं ने हिंदू समाज की वर्तमान चुनौतियों, जैसे धर्मांतरण, सांस्कृतिक आक्रमण और सामाजिक एकता पर भी चर्चा की। सम्मेलन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई। सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ ली। जिला प्रचार प्रमुख योगेश त्यागी ने बताया कि जिले में 22 बस्तियों में सभी जगह हिंदू सम्मेलन हो गए है।

आभार जताया

हिंदू सम्मेलन के संरक्षक अजय मित्तल, नगर संयोजक डा. आरबी यादव, सीए यशपाल, सीए जीतेश, सीए कश्यप, योगेश त्यागी व राजकुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स ने मनाया होली का पर्व

रेवाड़ी। रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स की ओर से सेकटर-4 स्थित जिमखाना क्लब में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब के सदस्यों ने हर्बल रंगों का प्रयोग कर होली का त्योहार मनाया। इस मौके पर क्लब के प्रधान संजय डाटा ने कहा कि होली का त्योहार भाईचारे और सद्भाव का प्रतीक है, सभी को प्रेम भाव और खुशी व उमंग से होली का त्योहार मनाना चाहिए। केमिकल वाले पक्के रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। क्लब की सचिव मीनाक्षी अरोड़ा ने सभी सदस्यों को पानी की बबार्दी रोकने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बरखा डाटा, क्लब ट्रेनर नवीन अरोड़ा, याद के सुगन्ध, प्रदीप नरूला, दीपक गुप्ता, पिंकी गुप्ता, विपिन ढींगरा, प्रीति ढींगरा, संजीव दुआ, चित्रा दुआ, डा. कपिल, डा. दीप्ति, विशन यादव, श्याम सुन्दर चुग, कशिश, कनिका, यशमीत, आद्या, अभिनव, राशि व अभिराज मौजूद थे।

छात्रवृत्ति परीक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार किए वितरित

रेवाड़ी। राव निहाल सिंह पब्लिक स्कूल दड़ौली में आयोजित हुई छात्रवृत्ति परीक्षा में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को रविवार को पुरस्कृत किया गया। समारोह में प्रथम स्थान पर रहने वाले सभी विद्यार्थियों को साइकिल, द्वितीय स्थान को स्मार्ट वॉच, तीसरे स्थान को बैग तथा चौथे से दसवें स्थान तक रहने वाले विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंध समिति के सदस्य, प्रतिभावान छात्र, अभिभावक तथा आरएनएस स्टाफ मौजूद था। स्कूल के अध्यक्ष राय सिंह यादव ने बताया कि संस्था 2003 से लगातार हर क्षेत्र में अच्छा परिणाम दे रही है। प्राचार्या सरिता यादव ने बताया कि स्कूल का सैनिक स्कूल परिणाम भी शानदार रहा है। सैनिक स्कूल परीक्षा में सफल होने वाले सभी विद्यार्थियों को भी कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में आरएनएस स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 127 लोगों ने करवाई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 127 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी व दंत रोग के मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी। शिविर के आयोजन में जसवंत सिंह, प्रो. आर एस यादव, शशिभूषण,अमर सिंह, रामसिंह, प्रो. सतीश यादव, गोकल राम व अशोक ने सहयोग दिया।

राव खेमचंद विद्या विहार का सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

रेवाड़ी। बोहतवास अहीर स्थिता राव खेमचंद विद्या विहार के विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र व स्कूल का नाम रोशन किया है। विद्यालय के कक्षा छठी व 9वीं के सभी छात्र परीक्षा में सफल रहे। छात्र हर्ष ने 400 में से 382 अंक प्राप्त कर देशभर में 7वीं रैंक तथा वंश सुल्तानिया ने 372 अंक के साथ 46वीं रैंक हासिल की। वहीं देवांश, सक्षम, दिशांत व केशव ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस उपलब्धि पर स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र कुमार और प्रिंसिपल प्रदीप कुमार ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी। सभी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर काउंसलर डा. ओपी यादव, मुख्याध्यापिका प्रतिमा पारीक, कोचिंग हेड सुधीर कुमार, मोहित कविया तथा कोऑर्डिनेटर पूनम व लीलम सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

सीए नितिन गोयल चार्टर्ड अकाउंटेंट जिला शाखा के चेयरमैन बने

रेवाड़ी। नव नियुक्त चेयरमैन सीए नितिन गोयल व कार्यकारिणी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की रेवाड़ी शाखा की कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें सीए नितिन गोयल को चेयरमैन नियुक्त किया गया। सीए अन्नू जैन को वाइस चेयरमैन, सीए सतीश कुमार को सैक्रेटरी और सीए प्रभव बिंदल को ट्रेजरार का पदभार दिया गया, जबकि सीए साहिल खरबंदा व पूर्व चेयरमैन सचिन भूटानी को कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त चेयरमैन सीए नितिन गोयल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा शाखा के आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा की संधि लेखाकार यानि सीए देश की आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण रोल अदा करते हैं तथा देश के अर्थव्यवस्था में अपना निरंतर सहयोग करते रहेंगे। नितिन गोयल के चेयरमैन बनने पर अग्रवाल वैश्य समाज ने खुशी जताई है। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, उपप्रधान एडवोकेट राकेश गुप्ता, सचिव राजीव अग्रवाल, सह-सचिव संदीप गोयल, कोषाध्यक्ष प्रेम प्रकाश गुप्ता, बृजलाल गोयल, मुकेश भट्ठेवाला, एडवोकेट नितेश अग्रवाल, दीपक पाल्हावासिया, भाजपा नेता दीपक मंगला, रानचे के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सोमाणी, राजेंद्र सिंहल, ऋषि सिंहल, आलोक सिंहल, दिनेश, ललित भूषण गुप्ता, राकेश गर्ग, टोनी जिंदल व लाला पुरुषोत्तम दास गोयल सहित अनेक लोगों ने कार्यकारिणी को बधाई दी।

दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिखाई अपनी प्रतिभा, जीते मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। खेल प्रतियोगिता के विजेताओं का पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

राव तुलाराम स्टेडियम में मानसिक व शारीरिक रूप से दिव्यांग तथा मूक बधिर बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के तीन स्पेशल स्कूल नव प्रेरणा समर्पित, खुशबू वेलफेयर सोसायटी गुरुग्राम व ओपन से लगभग 135 दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने शॉर्टकट सॉफ्टबॉल थ्रो तथा 25 मीटर, 50 मीटर व 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खेलों का शुभारंभ डा. पवन गोयल, जाट समाज के सचिव करण सिंह व अरुण गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया। जीडी गोयनका स्कूल के सामान्य बच्चों ने दिव्यांग बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर डा. गोयल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों व उनके अभिभावकों का मनोबल बढ़ाने का कार्य करते है। दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने की जिम्मेदारी पूरे समाज की है। मीरपुर यूनिवर्सिटी के छात्रों व चौधरी रामफल मेमोरियल अखाड़ा के बच्चों ने प्रतियोगिता में वॉलेंटियर के रूप में सेवाएं दी। प्रतियोगिता में सागर, वैभव, दृष्टि, देवीका, विधि, पंकज, सुखदेव, जानवी, चित्रांश मीत, कार्तिक, धीरज, सानिध्य, अभिषेक, कुणाल, निहारिका, श्रेया, आयुष, अमन, निलेश, अनीश, कार्तिक, अमित, दीपक, सौरभ व उपेंद्र नव प्रेरणा के बच्चों ने 25 गोल्ड 23 सिल्वर 19 ब्रांच मेडल हासिल किए। समर्पित स्कूल की ओर से अक्षत, प्रियांशु, विनीता, योगिता, इशिका, गौरव, करण, परिधि, खुशी, मनीषा व जितेंद्र ने 7 गोल्ड, 5 सिल्वर व 8 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। खुशबू वेलफेयर सोसायटी की ओर से तनविका, हर्ष, यशिका, दिव्यांश, साहिल, तमन्ना, आर्यन व गौरव ने 5 गोल्ड, 7 सिल्वर व 5 ब्रॉन्ज मेडल जीते।

खिलाड़ी सम्मानित

डा. पवन गुप्ता, शशी सिंगला, डा. पंकज यादव, अनुराधा यादव व नरेंद्र बत्रा ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर रोटरी क्लब की प्रधान नेहा शर्मा, दिनेश कपूर, प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के सचिव रामनिवास, रणवीर सिंह, अजीत कुमार, कोच मोहम्मद वकील, सुशीला, रमेश, संदीप व नवीन उपस्थित थे। संस्था के प्रधान हरीश मलिक ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन प्रिंसिपल गायत्री शर्मा ने किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

कार्यक्रम

पंजाबी धर्मशाला में 'श्याम संग खेलेंगे होली' का आयोजन

होली पर्व को शालीनता से मनाने का आह्वान चंदन तिलक लगाकर व फूलों से खेली होली

- **चंदन का तिलक, फूल व हर्बल गुलाल का प्रयोग कर मनाएं होली का पर्व**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

- होली का त्योहार पौराणिक काल से धूमधाम से मनाया जाता है
- इस पर्व को होलिका दहन करके मनाया जाता है

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को होली पर्व के उपलक्ष्य में पंजाबी धर्मशाला में 'श्याम संग खेलेंगे होली' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यातिथि न्यूरो सर्जन डा. पवन यादव, वेलनेस कोच पंकज सैनी व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि देश में होली का त्योहार पौराणिक काल से धूमधाम से मनाया जाता है। इसके पीछे प्रचलित कथा है। राक्षस राज हिरण्यकशिपु अपने पुत्र भक्त प्रहलाद को मारना चाहता था। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। होलिका भक्त प्रहलाद को मारने के लिए उसे अपनी गोद में लेकर बैठ गई, लेकिन होलिका अग्नि में जलकर राख हो गई और भक्त प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। तभी से इस पर्व को होलिका दहन करके मनाया जाता है।

सम्मानित किया

शिक्षाविद राजेन्द्र सिंह यादव, पर्यावरण सेवी राजेन्द्र गेरा, भारत भूषण कालड़ा, कृष्ण अरनेजा, भजन उपदेशक सतीश शर्मा, पवन कुमार, उपप्रधान कुलदीप सोनी व डा. आरके जांगड़ा को सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में देवेन्द्र कुमार, कैप्टन रूपचन्द यादव, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, सोनिया कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, कपिल कपूर व हिमांशु सहित अनेक लोग मौजूद थे।

होली के पावन पर्व को शालीनता से मनाएं

डॉ. सुमन यादव, महिला संयोजक शशि जुनेजा, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व शिक्षाविद प्रीती कपूर ने सभी से अपील करते हुए कहा कि होली के पावन पर्व को शालीनता से मनाए। केवल चंदन का तिलक, फूल व हर्बल गुलाल का ही प्रयोग करें। केमिकल के रंगों से बचें व पानी बचाएं। संस्था की ओर से चंदन तिलक लगाकर व फूलों से होली खेलकर उत्सव मनाया गया। इस मौके पर समाजसेवी चन्द्रप्रकाश खुराना को हमारा परिवार के उपप्रधान का दायित्व सौंपा गया।

किसान अपनी मेहनत को सफल होता देख मिलकर होली के रसिया गाते हैं

शिक्षाविद् विजय शर्मा जांगड़ा, समाजसेवी आदर्श राजपाल, पर्यावरण सेवी मुरारीलाल वर्मा, संस्था प्रधान अरुण गुप्ता व शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। इन दिनों खेतों में फसल लहलहा रही होती है। किसान अपनी मेहनत को सफल होता देख मिलकर खुशी मनाते हैं, होली के रसिया गाते हैं।

भावांतर भरपाई योजना से मधुमक्खी पालकों को मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी और उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों के लिए आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त स्रोत बनकर उभरा है। यह न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाता है, बल्कि परागण के माध्यम से फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है। हरियाणा सरकार कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया मधुक्रांति पोर्टल तथा भावान्तर भरपाई योजना पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। पंजीकरण की अवधि 1 जनवरी से 30 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए हरियाणा राज्य की सीमा के भीतर सत्यापन अनिवार्य होगा।